International Journal of Physical Education and Sports Sciences
Vol. 10, Issue No. 17, July-2016, ISSN 2231-3745

हॉकी खिलाड़ियों के विभिन्न स्तरों के बीच मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल

Ranjit A. Ingavale[1]* Dr. Sanjeev Sakiya[2]

[1] PhD Student, Kalinga University, Raipur

[2] PhD Guide, Kalinga University, Raipur

सार - *आधुनिक दुनिया के खेल के बारे में अधिक चिंतित होना प्रतीत होता है। खेल की पकड़ समाज में एक व्यक्ति के मन पर बहुत मजबूत हो गया है। खिलाड़ियों और दर्शकों के खेल के मूल्य और महत्व के बारे में बहुत स्पष्ट हैं और शायद ही एक व्यक्ति जो इसके प्रभाव से बाहर छोड़ दिया गया है। वर्तमान में, प्रतियोगिता जीतने के राष्ट्रीय प्रतिष्ठा शामिल है के रूप में प्रत्येक राष्ट्र जीतने के लिए प्रयास करता है। कुछ जातियों को भी खेल के क्षेत्र में उपलब्धि के माध्यम से अपने राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था की श्रेष्ठता परियोजना के लिए प्रयास करें। वे अपने-अपने देशों के लिए नाम, शोहरत और नाम रोशन और उनकी प्रतिष्ठा दुनिया में उच्च बढ़ा।*

आदेश में प्रतिस्पर्धा में से किसी में बेहतरीन प्रदर्शन देने के लिए, वैज्ञानिक विषयों की सहायता की मांग की है। विज्ञान, शारीरिक शिक्षा और खेल के बुनियादी सिद्धांतों की प्रेरण वैज्ञानिक अनुसंधान का विषय बन गया है। विज्ञान के विभिन्न अब विशेष शाखाओं में इस तरह के बायोमैकेनिक्स, व्यायाम के शरीर क्रिया विज्ञान, खेल के मनोविज्ञान, खेल, परीक्षण और माप आदि स्थापित किया गया है जो शारीरिक शिक्षा और खेल के साथ जुड़े हुए हैं के समाजशास्त्र के रूप में।

----------♦----------

प्रस्तावना

खेल मनोविज्ञान खेल या खेल से संबंधित संदर्भ में व्यवहार का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह कैसे और क्यों अंतर्निहित खेल व्यवहार को समझने का एक प्रयास है। के रूप में वे मानव खेल प्रदर्शन करने के लिए संबंधित खेल मनोविज्ञान मानसिक प्रक्रियाओं के अध्ययन के रूप में परिभाषित किया गया है। यह ज्ञान के शरीर में योगदान सिद्धांतों और सुदृढीकरण के महत्व और मोटर प्रदर्शन के साथ अवधारणात्मक क्षमताओं को जोड़ने के लिए सीखने के कानूनों के होते हैं। जब इस तरह की उपलब्धि प्रेरणा, उत्तेजना, रोपण और व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों का अध्ययन खेल मनोवैज्ञानिकों जानकारी का उपयोग।

इस प्रकार मनोविज्ञान बहुत पहले से यह खेल किया था शारीरिक शिक्षा में प्रवेश किया। अब मन की कंडीशनिंग, मनोवैज्ञानिक तैयारी, मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण खेलों में घड़ी शब्द हैं। खेल के क्षेत्र में कोई प्रशिक्षण अध्ययन और हॉकी खिलाड़ी के मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण के लिए संदर्भ के बिना पूरा हो गया है।

खेल का मानव जीवन में महत्व

खेल मानव जीवन के विकास का आधार एवं बाल जीवन का प्राण तत्व और मूल अधिकार है। खेल के माध्यम से बालक-बालिकाएँ अपनी नैसर्गिक प्रवृत्तियों एवं अपने संवेगों के प्रबन्धन को उत्तम दिशा देते हैं। सर्वसिद्ध तथ्य है कि खेलों का महŸव मानव जीवन में अनेक दृष्टिकोणों से शिक्षात्मक उपागम के रूप में है। मानवीय मूल्य, भावनात्मक विकास, धैर्य, अनुशासन, मित्रता, सहयोग, ईमानदारी, प्रतिस्पर्धा एवं नेतृत्व व्यवहार जैसे गुण, उपदेशों से अधिक बालक-बालिकाएँ खेलों के माध्यम से सहज रूप से सीख लेते हैं। इसीलिए मारिया मौन्टेशरी, गिजू भाई जैसे शिक्षाविद् बालक-बालिकाओं को खेलों के माध्यम से शिक्षा देने के प्रबल हिमायती रहे हैं, हो भी क्यों नही क्योंकि खेल सीखने-सिखाने के वातावरण निर्माण को दिशा देने के साथ-साथ अन्य जीवन कौशलों को स्वभाव में बालक-बालिकाओं में प्रतिस्थापित कर देते हैं। अतः खेल विद्या अर्जन की दृष्टि से, स्वविकास की दृष्टि से दोहरे लाभ रूपी उपागम हैं। इसी विचारधारा निमित्त मैक्ड्गल, रौस एवं टी.पीनन जैसे विचारकों

का प्रबल मत रहा है कि खेल बाल जीवन में संरक्षा, अभिवृद्धि और विकास, आनन्द, स्फूर्ति, सृजनात्मकता एवं जीवन मूल्यों के स्वाभाविक विकास के आधार हैं।

खेल एवं खिलाड़ी का अर्थ:-

खिलाड़ियों के व्यक्तित्व समायोजन का शैक्षिक महŸव जानने के पूर्व यह जानना आवश्यक है कि खेल क्या है खेलना आनन्द एवं स्वतंत्रता से युक्त स्वाभाविक प्रवृत्ति है जो स्फूर्तिदायक क्रिया सभी प्राणियों में विद्यमान रहती है। खेल प्रवृति अनुकरण, रचना, मुमुक्षा आदि में विद्यमान रहती है। खेल के भावों को विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अनेक विचारों द्वारा पृथक-पृथक तरीकों से परिभाषित किया हैं जिनमें से प्रमुख निम्न प्रकार हैं:-

खिलाड़ी - खेलने वाला, खेलने या ऐसे ही और काम करने वाला। 15 खिलाड़ी – क्रीड़क, कौतुकी, द्यूतप्रिय

1. खेल एक ऐच्छिक आत्मनियन्त्रित क्रिया है- स्टर्न

2. खेल शरीर एवं मन को आनन्द के लिए लगाना है जिसका कोई निश्चित लक्ष्य नहीं होता।- रस्किन

3. खेल कार्य में एक प्रकार का मनोरंजन है।- वेलेंटाइन

4. खेल वह है, जो हम खाली समय में अपनी पसन्द से करते हैं।- ग्लूक

5. खेल स्वयं अपने लिए की जाने वाली एक क्रिया है, या खेल एक निरूद्देश्य क्रिया है जिसका कोई लक्ष्य नहीं होता है।- मक्डूगल

6. खेल की उस क्रिया के रूप में परिभाषा की जा सकती है जिसमें एक व्यक्ति उस समय व्यस्त होता है जब वह उस कार्य को करने के लिए स्वतन्त्र होता है जिसे वह करना चाहता है।

हॉकीः ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिदृश्य

हॉकी के खेल के उद्गम एवं विकास का सही पता तो नहीं चलता है लेकिन सर्वमान्य रूप से यह बात स्वीकार की जाती है कि इस महत्वपूर्ण खेल का उद्गम मनुष्यों की आवश्यकता के परिणामस्वरूप ही हुआ है। ऐसा माना जाता है कि किसी मनुष्य ने पेड़ से टहनी तोड़ी होगी तथा जमीन पर पड़े हुये पत्थर पर मारने का प्रयास किया होगा जिसमें उस व्यक्ति का काफी आनंद मिला होगा तथा इसी के परिणामस्वरूप यह खेल समयानुसार आगे बढ़ता रहा होगा और आज जैसी स्थिति में पहुंच गया होगा ।

हॉकी के मूलभूत खेल कौशल

हॉकी के मूलभूत कौशल इस प्रकार हैं -

- ड्रिबलिंग - इसमें दौड़ते या एक पोजिशन से दूसरी पोजिशन पर जाते हुए स्टिक से गेंद को नियंत्रित करना होता है तथा गेंद को शरीर के बायें भाग से दायें भाग या दायें भाग से बायें भाग की ओर ले जाना होता है जिससे विरोधी रक्षक को चकमा दिया जा सके।
- गेंद को हिट करना - इस कौशल का प्रयोग लंबी दूरी के पास देने या गेंद को गोल में डालने हेतु किया जाता है।
- स्कूप - जब रुकी हुई गेंद को या धीरे-धीरे गतिमान गेंद के नीचे स्टिक रखकर उसे हवा में उछाला जाता है तब इसे स्कूप कहा जाता है।
- टैकलिंग - विरोधी खिलाड़ी से गेंद छीनने की प्रक्रिया या उसे आगे बढ़ने से रोकने की विधि को टैकलिंग माना जाता है।

इसके विरोधी खिलाड़ी स्टॉपिंग, ब्लॉक टैकल, बैक पास, जैब जैसे शब्द भी हॉकी कौशल के परिप्रेक्ष्य में प्रयुक्त किये जाते हैं।

उद्देश्यों अध्ययन

प्रत्येक व्यक्ति के खिलाड़ी के लिए विशेषता मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल दोनों कोच और खिलाड़ियों को उनके खुद के इंटरैक्टिव प्रक्रियाओं में एक गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए अनुमति देगा। एक खिलाड़ी उसकी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन क्षमता पर लगाए गए जा करने के लिए आंतरिक नियंत्रण के एक उच्च भावना विकसित करने में सक्षम हो सकता है क्योंकि "आत्म ज्ञान" उच्च उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण है।

अध्ययन में शामिल उद्देश्य -

- विभिन्न स्तर पर भागीदारी के बीच हॉकी खिलाड़ियों के शारीरिक प्रोफाइल निर्धारित करने के लिए।
- भारतीय हॉकी खिलाड़ियों के प्रेरक विशेषताओं का वर्णन करने के लिए।

- मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन में वृद्धि कर सकता करने के लिए सुझाव।

परिकल्पना की समीक्षा की साहित्य के आधार पर उपलब्ध शोध निष्कर्षों, विशेषज्ञ की राय है और इस समस्या के विद्वान की अपनी समझ है, यह गया था धारणा है कि वहाँ चयनित में महत्वपूर्ण मतभेद नहीं हो सकता है हॉकी खिलाड़ियों के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक चर।

क्रियाविधि

विषयों, चर का चयन, कसौटी उपायों, चयन और उपकरण प्रश्नावली का विवरण, प्रश्नावली के प्रशासन, डेटा और सांख्यिकीय तकनीक डेटा का विश्लेषण करने के लिए नियोजित के संग्रह के इस अध्ययन के चयन में वर्णित किया जाएगा।

सांख्यिकी डिजाइन-

डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण कंप्यूटर पर प्रदर्शन किया गया था। पहले चरण में मतलब है और मानक विचलन सभी चर के लिए गणना कर रहे थे और दूसरे चरण में एक नोवा इंटर कालेज, इंटर यूनिवर्सिटी और उनके व्यक्तित्व के लिए राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के बीच अंतर पता लगाने के लिए लागू किया गया था।

सैंपल बनाने की प्रक्रिया:

अध्ययन का उद्देश्य भागीदारी के विभिन्न स्तरों पर मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल ध् हॉकी खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व का विश्लेषण करने के लिए है। अध्ययन का उद्देश्य के लिए, शिवाजी विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों से 191 हॉकी खिलाड़ियों के रूप में विषयों (पुरुष) का चयन किया जाएगा। एक अनुसंधान उपकरण के किसी भी अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाता है के रूप में यह समस्या है या किए गए अध्ययन है, जो अंत में, संबंधित समस्या के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपाय प्रदान करने में मदद करता है के बारे में सटीक निष्कर्ष है।

इस अध्ययन के लिए डेटा संग्रह पुस्तकों, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं और शोध पत्र से एकत्र किया जाएगा। मानदंड, साधन और चर की प्रासंगिकता की उपलब्ध की व्यवहार्यता के ध्यान में ले, निम्न चर का चयन किया जाएगा।

- व्यक्तित्व
- चिंता
- उपलब्धि प्रोत्साहन प्रेरणा।
- प्रेरणा

इन चर के चयन व्यवहार्यता मानदंड और उपकरण उपलब्ध पर और साथ ही विद्वान इन चर के लिए परीक्षण और माप के संचालन में अनुभव का मालिक आधार पर किया जाएगा।

प्रक्रिया:

सभी परीक्षणों के पूर्व न्यादर्श को यह जानकारी दी गयी कि समंकों का उपयोग केवल शोध कार्य के उद्देश्य से ही किया जायेगा तथा संकलित आंकड़ों की गोपनीयता बनाये रखी जायेगी। सर्वप्रथम न्यादर्श को सुविधाजनक समूह में खेल संवेगात्मक प्रश्नावली दी गयी। इसके पश्चात् समुचित विश्राम देकर न्यादर्श पर आक्रामकता प्रश्नावली का परीक्षण-प्रशासन किया गया।

तालिका क्रमांक 6

समाजिक स्तर पर एवं मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों के मध्य खेल संवेगात्मक बुद्धि की तुलना

समूह	Mean	S.D.	t	सार्थकता का स्तर
समाजिक स्तर पर हॉकी खिलाड़ी (छ=191)	187.44	30.56	3.10	0.1
मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ी (छ=191)	205.80	28.50		

तालिका क्रमांक 6 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों के मध्य खेल संवेगात्मक बुद्धि आयाम पर सार्थक भिन्नता है। प्राप्त (टी=3.10) जो कि सांख्यिकीय रूप से .01 के सार्थकता स्तर पर है, इस बात का प्रमाण है कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि (एम=205.80), मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों (एम=187.44) की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक है।

तालिका क्रमांक 6 में दर्शित परिणाम यह दर्शाते हैं कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि, सामाजिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों से

सार्थकता स्तर पर अधिक पायी गयी, अतः तुलनात्मक परिकल्पना स्वीकार्य है।

आरेख क्रमांक 1

समाजिक स्तर पर एवं मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों के मध्य खेल संवेगात्मक बुद्धि का स्तंभ आरेख द्वारा तुलनात्मक चित्रण

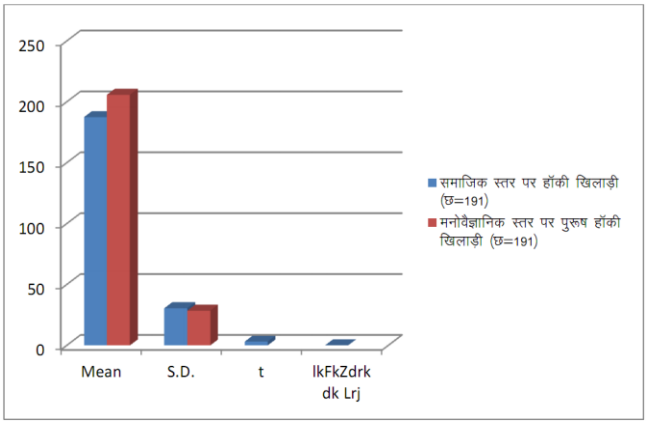

अध्याय क्रमांक 1 में वर्णित तुलनात्मक परिकल्पना क्रमांक 2.2 समाजिक स्तर पर तथा मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों की आक्रामकता में सार्थक भिन्नता पायी जायेगी', की जांच हेतु (टी-टेस्ट) का प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त परिणाम एवं चर्चा के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले गये – 1. जातीय पृष्ठभूमि पुरुष हॉकी खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि को प्रभावित करती है। 2. जातीय पृष्ठभूमि का पुरुष हॉकी खिलाड़ियों की आक्रामकता पर प्रभाव नहीं पड़ता है। 3. जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर पुरुष हॉकी खिलाड़ियों के मूलभूत कौशल में भिन्नता पायी गयी।

उपसंहार

मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों की खेल संवेगात्मक बुद्धि, समाजिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों से सार्थकता स्तर पर अधिक पायी गयी। समाजिक स्तर पर तथा मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरुष हॉकी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता का स्तर सार्थक रूप से भिन्न नहीं पाया गया। 3 मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों का ड्रिबलिंग कौशल, समाजिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों से सार्थकता स्तर पर श्रेष्ठ पाया गया। मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों की गोल शूटिंग योग्यता, समाजिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों से सार्थकता स्तर पर श्रेष्ठ पायी गयी। के उच्च स्तर की खेल संवेगात्मक बुद्धि दर्शाने वाले मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरूष हॉकी खिलाड़ियों का ड्रिबलिंग कौशल, निम्न स्तर की खेल संवेगात्मक बुद्धि दर्शाने वाले मनोवैज्ञानिक स्तर पर पुरुष हॉकी खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर बेहतर पाया गया।

संदर्भ

1. मिशेल, ए. (2006). खेल मनोवैज्ञानिक कौशल है कि अंडर-19 क्लब रग्बी विभिन्न भागीदारी के स्तर और स्थितीय समूह के खिलाड़ियों के बीच भेद। अप्रकाशित मास्टर्स थीसिस अप्रैल, उत्तर पश्चिम विश्वविद्यालय, Potchefstroom कैम्पस।

2. पेडरसन एम. डाहल (2007). जर्नल लेख, वॉल्यूम "पुरुष के लक्षण और महिला एथलीटों कथित"। 85 (2)

3. कृष्णन, एम. (2008). चुने गए मनोवैज्ञानिक चर और वॉलीबॉल खिलाड़ियों के कौशल प्रदर्शन पर मानसिक कल्पना प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। शारीरिक शिक्षा में दर्शन के अप्रकाशित थीसिस डॉक्टर। कालीकट, शिक्षा, मई विभाग। कालीकट विश्वविद्यालय।

4. ओ सुलिवन एट. (2008). अल, इंग्लैंड "टीम के खेल में पुरुष और महिला प्रतिभागियों के व्यक्तित्व वर्ण" एलसेविर विज्ञान लिमिटेड, जरनल, अनुच्छेद, वॉल्यूम। 25(1).

5. हार्डी, टी आर (2009). प्रदर्शन रणनीतियों का टेस्टः विकास और एथलीट की मनोवैज्ञानिक कौशल का एक व्यापक उपाय के प्रारंभिक मान्यकरण। खेल विज्ञान के जर्नल, 697-711.

6. रजीना, लालकृष्ण (2009). राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ियों में खेल विशिष्ट मनोवैज्ञानिक कौशल पर एक अध्ययन। खेल मनोविज्ञान-2009 में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेसः कार्यवाही, पीपी- 356-359)

7. मुडिमेला, एस एस आर (2010). फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच आक्रामकता, चिंता, उपलब्धि प्रेरणा और प्रदर्शन पर भागीदारी के स्तर का प्रभाव। 61, डीओआई, स्पोर्ट्स मेडिसिन, 44 के ब्रिटिश जर्नल 10-1136/बीजेएसएम्-2010-078725-206

8. पीटरसन, ए जे (2012). हॉकी खिलाड़ियों के मनोवैज्ञानिक और खेल विशिष्ट विशेषताओं। डॉक्टरेट शोध कार्य, मार्च। ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड अध्यापन विश्वविद्यालय।

9. कपिल, एच. के. "सांख्यिकी के मूल तत्त्व", विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-1, 148.

10. केवल, सिंह 1/419921/2 "ए-स्टडी ऑफ़ फिजिकल एण्ड पर्सनलटी टैंड ऑफ़ बॉक्सर एट डिफरेन्ट लेवल ऑफ़ कम्पीटीशन।

11. चार्टर, वी. गुड 'इंट्रोडक्शन टू एज्यूकेशन रिसर्च, न्यूयॉर्क, एपल्टन सेन्चुरी क्राफ्टस, 1959.

12. खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता रपट 32 वीं राज्य स्तरीय मंत्रालयिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2004। फरवरी, 2005, शिविरा पत्रिका पृ.सं. 39

Corresponding Author

Ranjit A. Ingavale*

PhD Student, Kalinga University, Raipur

E-Mail – ranjithockey@gmail.com